Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

नवंबर (संग्रह)

2022

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **3**

- राज्य वित्त आयोग ने किया वेब पोर्टल एवं मोबाईल ऐप लॉन्च 3
- छत्तीसगढ़ में हुआ धान खरीदी का शुभारंभ 3
- तीसरे आदिवासी राष्ट्रीय महोत्सव का शुभारंभ 4
- छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कार 4
- 22वीं राज्यस्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में दुर्ग ज़िला रहा ओवरआल चैंपियन 6
- राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी हुए पुरस्कृत 6
- वैज्ञानिकों ने छत्तीसगढ़ की धान की छह प्रजातियों के म्यूटेंट में किया बदलाव 7
- छत्तीसगढ़ में किसानों को लाख की खेती के लिये प्रोत्साहित करने की विशेष पहल 8
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहली बार होगा पक्षी सर्वेक्षण 9
- छत्तीसगढ़ की प्रख्यात चेस खिलाड़ी किरण अग्रवाल बनीं भारतीय शतरंज टीम की कोच 9
- प्रदेश में अब तक जांजगीर-चांपा ज़िले में सर्वाधिक गोमूत्र की खरीदी 10
- छत्तीसगढ़ सरकार का विद्यार्थियों के हित में बड़ा निर्णय 11
- छत्तीसगढ़ सरकार और आईसीसीआर के बीच समझौता 11
- प्रदेश के 26 स्कूल स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित 12
- मुख्यमंत्री ने 'नेहरू का भारत डॉटकॉम' वेबसाइट का किया लोकार्पण 12
- कचरा प्रबंधन में दुर्ग निगम को मिला देश में प्रथम स्थान 13
- राज्यस्तरीय व्यक्तित्व विकास प्रतियोगिता 2022-23 13
- जल जीवन मिशन: राज्य में 16.42 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन 14
- सुघ्घर पढ़वईया योजना 15
- मत्स्य पालन के लिये मिला बेस्ट इनलैंड स्टेट का पुरस्कार 16
- मुख्यमंत्री ने हाट बाज़ार क्लीनिक योजना पर डब्ल्यूएचओ द्वारा तैयार कराई गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज की 16
- बास्केटबॉल में छत्तीसगढ़ की ऊँची छलांग 17
- मुख्यमंत्री ने राजनांदगाँव ज़िला अस्पताल में डायलिसिस यूनिट का किया शुभारंभ 18
- 'मोर मयारू गुरुजी' कार्यक्रम को मिला स्कॉच अवार्ड 18
- छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय 18
- छत्तीसगढ़ की नवीन मछली पालन नीति कैबिनेट में मंज़ूर 19
- मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का सातवाँ चरण 1 दिसंबर से 20
- छत्तीसगढ़ उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन हासिल करने वाला देश का चौथा राज्य 21
- धमतरी ज़िले के दो उप स्वास्थ्य केंद्र गेदरा और गाड़ाडीह को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण-पत्र 21
- इंद्रावती टाईगर रिज़र्व में मिला एक और बाघ : बाघों की कुल संख्या अब छः 22
- किडनी के मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में नि:शुल्क डायलिसिस की व्यवस्था 22
- मुख्यमंत्री ने किया छत्तीसगढ़ी पत्रिका 'अरई तुतारी'और गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी'का विमोचन 23
- छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में बड़ी गिरावट, 159 से घटकर 137 हुई 24

नोट :

छत्तीसगढ़

राज्य वित्त आयोग ने किया वेब पोर्टल एवं मोबाईल ऐप लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

31 अक्टूबर, 2022 को छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग ने ग्राम पंचायतों से सुगमता से जानकारी उपलब्ध कराने के लिये वेब पोर्टल एवं मोबाईल ऐप लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- अपनी अनुशंसाओं को पर्याप्त आँकड़ों के आधार पर तैयार करने के लिये एवं पंचायती राज संस्थाओं व नगरीय स्थानीय निकायों से जानकारी प्राप्त करने हेतु आयोग द्वारा वेब पोर्टल SFC-eInfo एवं मोबाईल ऐप तैयार किया है।
- आयोग के द्वारा तैयार वेब पोर्टल एवं मोबाईल ऐप से प्रत्येक पंचायत की जानकारी सुगमता से प्राप्त होगी। 11 हज़ार 664 पंचायतों से प्राप्त जानकारियों से एक वृहद डेटाबेस तैयार होगा। जिसका प्रयोग शासन के विभिन्न स्तर पर किया जा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य वित्त आयोग का गठन पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय स्थानीय निकायों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने हेतु प्रत्येक 5 वर्ष में किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में हुआ धान खरीदी का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

1 नवंबर, 2022 को खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का काम शुरू हो गया। राज्य में धान खरीदी 31 जनवरी, 2023 तक जारी रहेगी।

प्रमुख बिंदु

- पहले दिन 775 उपार्जन केंद्रों द्वारा 10 हज़ार 257 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। प्रथम दिवस में 3 हज़ार 951 किसानों द्वारा धान बेचा गया।
- इस साल 110 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की तैयारी शासन द्वारा की गई है। इस वर्ष 2497 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। धान विक्रय के लिये 25 लाख 93 हज़ार किसानों ने पंजीयन कराया है। धान का कुल पंजीकृत रकबा 13 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष 2 लाख 3 हज़ार नए किसानों ने पंजीकरण कराया है।
- पहले दिन के लिये 5341 टोकन जारी किये गए थे। टोकन तुंहर हाथ ऐप के माध्यम से 268 टोकन जारी किये गए। पहले दिन के धान उपार्जन के लिये किसानों को भुगतान करने के लिये मार्कफेड द्वारा 279 करोड़ रुपए अपेक्स बैंक को जारी किये गए हैं।
- प्रदेश में राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू होने के बाद हर साल किसानों की संख्या और खेती के रकबे में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही हर साल धान खरीदी का नया रिकॉर्ड भी बन रहा है।
- खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में 97.98 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी, जो राज्य निर्माण के बाद से अब तक का एक रिकार्ड है। तब 21 लाख 77 हज़ार किसानों ने धान बेचा था। उन्हें 19038.04 करोड़ रुपए के समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया था। इसके अलावा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत उन्हें इनपुट सब्सिडी का लाभ भी मिला है।
- इससे पहले वर्ष 2020-21 में 02 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ था। 20.53 लाख किसानों ने धान का विक्रय किया था। उन्हें 17240.55 करोड़ रुपए समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया था। इसके अलावा राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ भी उन्हें मिला था।

नोट :

- वर्ष 2019-20 में 94 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ था। 18.38 लाख किसानों ने धान बेचा था। उन्हें 15285.85 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया था। इसके अलावा राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ भी उन्हें मिला था।
- वर्ष 2018-19 में राज्य शासन ने 2500 रुपए क्विंटल के भाव से 80.38 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की थी। किसानों को समर्थन मूल्य समेत 20094.32 करोड़ रुपए का कुल भुगतान किया गया था।

तीसरे आदिवासी राष्ट्रीय महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

1 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव 2022 में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में तीसरे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आदिवासी परंपरा के अनुरूप नगाड़ा बजाकर शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके पूर्व उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया एवं छत्तीसगढ़ राजकीय गीत 'अरपा पैरी के धार' के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महोत्सव में उन्होंने आदिवासी महोत्सव की सुंदर स्मृतियों से सुसज्जित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।
- तीनदिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में विदेशों के 100 कलाकारों सहित देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1500 जनजातीय कलाकार आदिवासी संस्कृति के इंद्रधनुषी रंग बिखेरने के लिये जुटे हैं।
- साईस कॉलेज मैदान में राज्योत्सव के लिये मुख्य मंच, पंडालों और स्टॉलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। यहाँ जनजातियों की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोककलाओं के साथ छत्तीसगढ़ के पौने चार वर्ष की विकास यात्रा की झलक लोगों को देखने को मिलेगी।
- टोगो, मोजांबिक, सर्बिया, इंडोनेशिया, मालदीव, मंगोलिया, न्यूज़ीलैंड, रशिया, रवांडा और इजिप्ट सहित भारत के कई राज्य इस महोत्सव में तीन दिनों तक अपनी आदिवासी नृत्य कला की झटा बिखेरेंगे।
- मोजांबिक, रूस और मंगोलिया की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ तीसरे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आगाज़ हुआ। स्वागत कार्यक्रम में मोजांबिक से आए नर्तक दल ने सबसे पहले प्रस्तुति दी। उन्होंने फसल कटाई के अवसर पर किया जाने वाला डांस फॉर्म प्रस्तुत किया।
- वहीं रूस और मंगोलिया के नर्तक दलों ने फ्यूजन डांस फॉर्म प्रस्तुत किया। इसमें वहाँ की संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा, प्राकृतिक सुंदरता प्रदर्शित होती है। अचीवमेंट इन हंटिंग, हाइटाइट स्ट्रेंथ, इंट्यूशंस ऑफ एनिमल्स एंड लाइफस्टाइल विषयों पर केंद्रित प्रस्तुतियों से मंगोलिया के कलाकारों ने समां बांध दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

1 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव समारोह में छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न विभूतियों को उनकी उपलब्धियों एवं राज्य के विकास में योगदान के लिये राज्य अलंकरण पुरस्कारों से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- **राज्य अलंकरण पुरस्कार और उनसे सम्मानित विभूतियाँ**

पुरस्कार/सम्मान	सम्मानित विभूति	प्रदान करने वाला विभाग
शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार	नारायण मरकाम	आदिम जाति कल्याण विभाग
पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान	लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल	गृह (पुलिस) विभाग
यति यतनलाल सम्मान	मदन मोहन गौशाला (खरसिया, रायगढ़)	सामान्य प्रशासन विभाग

नोट :

गुंडाधूर सम्मान	अमितेश मिश्रा	खेल एवं युवा कल्याण विभाग
मिनीमाता सम्मान	डॉ. मीरा शुक्ला	महिला एवं बाल विकास विभाग
गुरु घासीदास सम्मान	खेमचंद भारती	आदिम जाति कल्याण विभाग
ठाकुर प्यारेलाल सम्मान	अशोक अग्रवाल	सहकारिता विभाग
हाज़ी हसन अली सम्मान	जनाब यूनुस खान	आदिम जाति कल्याण विभाग
पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान	सीताराम अग्रवाल	सामान्य प्रशासन विभाग
पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान	रामेश्वर वैष्णव	संस्कृति विभाग
चक्रधर सम्मान	वेदमणि सिंह ठाकुर	संस्कृति विभाग
दाऊ मंदराजी सम्मान	जयंती यादव और पंडित राम (संयुक्त रूप से)	संस्कृति विभाग
डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान	खेदूराम बंजारे	कृषि विभाग
महाराजा अग्रसेन सम्मान	ईश्वर प्रसाद अग्रवाल	सामान्य प्रशासन विभाग
दानवीर भामाशाह सम्मान	गंगोत्री वर्मा	समाज कल्याण विभाग
बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार	रूपचंद धीवर	मत्स्य विभाग
संस्कृत भाषा सम्मान	डॉ. बालकृष्ण तिवारी	उच्च शिक्षा विभाग
भँवर सिंह पोर्ते सम्मान	टुकेश्वर कँवर	आदिम जाति कल्याण विभाग
महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार	एनटीपीसी सीपत और पालूराम साहू (संयुक्त रूप से)	श्रम विभाग
बिसाहूदास महंत पुरस्कार 2020-21	आनंद देवांगन और पँचरण देवांगन (संयुक्त रूप से)	ग्रामोद्योग विभाग
बिसाहूदास महंत पुरस्कार 2021-22	राजन देवांगन और कृष्ण कुमार देवांगन (संयुक्त रूप से)	
राजराजेश्वरी करुणामाता हथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार	नरसिंह देवांगन एवं श्रीपति मेहेर देवांगन (संयुक्त रूप से)	ग्रामोद्योग विभाग
देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार	द्वारिका बर्मन	संस्कृति विभाग
देवदास स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार	मिलाप दास बंजारे	संस्कृति विभाग
किशोर साहू सम्मान	मनु नायक	संस्कृति विभाग
किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण	पलाश वासवानी	संस्कृति विभाग
धनवन्तरि सम्मान	डॉ. मनोज चौकसे	स्वास्थ्य विभाग
बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान	डॉ. प्रिया राव और विवेक सारस्वत (संयुक्त रूप से)	विधि एवं विधायी विभाग
छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान	गणेश कर	संस्कृति विभाग
लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार	जीवन यदु	संस्कृति विभाग

नोट :

चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार	प्रिंट मीडिया हिन्दी- धनंजय वर्मा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दी- अमितेष पांडेय और डॉ. वैभव शिव पांडेय (संयुक्त रूप से)	जनसंपर्क विभाग
मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार (प्रिंट मीडिया अंग्रेज़ी)	डॉ. के. एन. किशोर	जनसपंर्क विभाग
पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान	सुदीप ठाकुर	जनसंपर्क विभाग

22वीं राज्यस्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में दुर्ग ज़िला रहा ओवरआल चैंपियन

चर्चा में क्यों ?

3 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के दुर्ग ज़िले के चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय, धमधा में चल रही 22वीं राज्यस्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ, जिसमें दुर्ग ज़िला 15 पॉइंट के साथ ओवरआल चैंपियन रहा।

प्रमुख बिंदु

- खेल आयोजक ने बताया कि 22वीं राज्यस्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में 14 पॉइंट पाकर बिलासपुर ज़िला दूसरे स्थान पर रहा।
- प्रतियोगिता में कबड्डी में 14 वर्ष आयु वर्ग से बालक वर्ग में बिलासपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय, रायपुर तृतीय तथा बालिका वर्ग में बिलासपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय व रायपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- इसी तरह खो-खो में 14 वर्ष आयु वर्ग से बालक वर्ग में बस्तर प्रथम, दुर्ग द्वितीय व बिलासपुर तृतीय तथा बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम, बिलासपुर द्वितीय, बस्तर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- इस खेल प्रतियोगिता में टेनिस बॉल क्रिकेट में 19 वर्ष आयु वर्ग से बालक वर्ग में सरगुजा प्रथम, बिलासपुर द्वितीय, दुर्ग तृतीय तथा बालिका वर्ग में सरगुजा प्रथम, दुर्ग द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे ने पुरस्कार देकर खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

चर्चा में क्यों ?

6 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने 15वीं राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि राजधानी रायपुर के सरोना स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में 4 से 6 नवंबर तक 15वीं राज्यस्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग साढ़े तीन सौ से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।
- राज्यस्तरीय प्रतियोगिता इनलाइन तथा क्वाड कैटेगरी में 5 वर्ष से 17 वर्ष से अधिक लड़के एवं लड़कियों के लिये विभिन्न 6 आयु समूहों में रिंग तथा रोड में 120 पदकों के लिये आयोजित की गई।
- यह प्रतियोगिता भारतीय रोलर स्केटिंग खेल महासंघ द्वारा मान्यताप्राप्त है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं में से छत्तीसगढ़ की टीम का चयन किया जाएगा। चयनित टीम 11 से 12 दिसंबर, 2022 तक बंगलूरू में आयोजित होने वाली 60वीं राष्ट्रीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2022 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगी।

नोट :

- इस वर्ष रोलर स्केटिंग खेलों का प्रचार-प्रसार करने हेतु टेनासिटी और टॉय स्केट्स में कुछ प्रतियोगिताएँ रखी गई थीं, जिससे नए उदीयमान खिलाड़ियों को 75 पदकों का वितरण किया गया। इसके लिये 3 से 5 वर्ष के इनलाइन तथा क्वाड खिलाड़ियों एवं टेनासिटी और टॉय स्केट्स में 4 आयु वर्ग बनाए गए थे।
- स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिये यह गौरव की बात है कि देश के सीबीएसई स्कूलों में केवल कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना में 200 मीटर का बैंड ट्रैक स्केटिंग के लिये उपलब्ध है और लगातार 5 वर्षों से सीबीएसई बोर्ड की राष्ट्रीय प्रतियोगिता भी कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना के ग्राउंड में आयोजित की जा रही है।
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्कूलों में स्केटिंग को बढ़ावा देने के लिये इसे विगत वर्ष से स्कूली खेलों में शामिल किया गया है। प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में स्केटिंग का उचित वातावरण बनाने के लिये छत्तीसगढ़ शासन का प्रयास जारी है, जिसमें- दुर्ग, भिलाई, रायपुर और बिलासपुर में नए स्केटिंग ग्राउंड का निर्माण प्रस्तावित है।
- शिक्षा मंत्री ने कहा कि इसी वर्ष स्केटिंग की राष्ट्रीय स्तर की ओपन चैलेंज स्पीड रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है, जिसमें देश के 1500 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।
- डॉ. टेकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने इस वर्ष अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय खेल की रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में रायपुर के खिलाड़ी अमितेश मिश्रा को स्केटिंग में देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष का 'गुंडाधूर सम्मान' प्रदान किया गया है। स्केटिंग प्रतियोगिता में एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल की कक्षा 8वीं की छात्रा कुमारी लावण्या जिंदल ने इनलाइन स्केटिंग में तीन गोल्ड मेडल जीते।
- इसी प्रकार इंदौर में 7 से 9 अक्टूबर के बीच आयोजित राष्ट्रीय पिकलबॉल प्रतियोगिता के 16 वर्ष से कम आयु वर्ग में एनएच गोयल स्कूल कक्षा 10वीं की छात्रा कुमारी हेमिका जिंदल ने सिंगल्स और डबल्स दोनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

वैज्ञानिकों ने छत्तीसगढ़ की धान की छह प्रजातियों के म्यूटेंट में किया बदलाव

चर्चा में क्यों ?

6 नवंबर, 2022 को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के पब्लिक अवेयरनेस डिवीजन के अध्यक्ष डॉक्टर आरके वत्स ने बताया कि सेंटर के वैज्ञानिकों ने छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली धान की छह प्रजातियों के म्यूटेंट में बदलाव कर पौधों की ऊँचाई कम कर दी है। ऐसे में बरसात, ओलावृष्टि और आंधी का फसलों पर खास असर नहीं पड़ेगा।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि देहरादून के उत्तरांचल विवि में आयोजित आकाश तत्त्व सम्मेलन में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों की ओर से धान की नई प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। पहले चरण में संस्थान के वैज्ञानिकों ने छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली धान की छह प्रजातियों के म्यूटेंट में बदलाव किया है।
- इसी प्रकार वैज्ञानिकों ने मूंग की आठ प्रजातियों के म्यूटेंट में भी बदलाव कर नई प्रजातियाँ बनाई हैं।
- छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर जिन प्रजातियों का म्यूटेंट बदलकर नई प्रजातियाँ विकसित की गई हैं, उनमें सीजी जवाफूल, टीकेआर कोलम, ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ सोनागाक्षी म्यूटेंट (टीसीबीएम), ट्रांबे छत्तीसगढ़ दूबराज म्यूटेंट (टीसीडीएम) विक्रम टीसीआर, ट्रांबे छत्तीसगढ़ विष्णुभोग म्यूटेंट (टीसीवीएम) शामिल हैं।
- सेंटर के वैज्ञानिक डॉ. आरके वत्स के मुताबिक, गामा रेडिएशन के ज़रिये धान की प्रजातियों के म्यूटेंट में बदलाव किया गया है। इसके बाद नई प्रजाति के धान को विकसित किया गया, जो पहले वाले की तुलना में अलग है।
- गौरतलब है कि देश में धान की करीब 40 हज़ार प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें सबसे अधिक 23230 प्रजातियाँ धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में पाई जाती हैं।

नोट :

छत्तीसगढ़ में किसानों को लाख की खेती के लिये प्रोत्साहित करने की विशेष पहल

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के अनुरूप छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा किसानों को लाख की खेती के लिये प्रोत्साहित करने और उनकी आय में वृद्धि हेतु विशेष पहल की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- इसके परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा बीहन लाख आपूर्ति तथा बीहन लाख विक्रय और लाख फसल ऋण की उपलब्धता के लिये मदद सहित आवश्यक व्यवस्था की गई है।
- राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन और लाख उत्पादन में वृद्धि करने के लिये 20 ज़िला यूनियनों में 3 से 5 प्राथमिक समिति क्षेत्र को जोड़ते हुए लाख उत्पादन क्लस्टर का गठन भी किया गया है।
- इसके तहत प्रत्येक लाख उत्पादन क्लस्टर में सर्वेक्षण कर कृषकवार बीहन लाख की मांग की जानकारी ली जाएगी। इनमें कृषकों को संघ द्वारा निर्धारित मूल्य पर बीहन लाख प्रदाय करने हेतु आवश्यक कुल राशि को अग्रिम रूप से ज़िला यूनियन खाते में जमा कराना होगा।
- इसके तहत रंगीनी बीहन लाख के लिये कृषकों से मांग प्राप्त करने हेतु समय-सीमा 10 नवंबर के पूर्व निर्धारित है। इसमें कृषकों से राशि जमा किये जाने हेतु समय-सीमा 15 नवंबर तक निर्धारित है। इनमें कुसुमी बीहन लाख के लिये कृषकों से मांग प्राप्त करने हेतु 30 नवंबर के पूर्व तथा राशि जमा किये जाने हेतु 15 दिसंबर तक समय-सीमा निर्धारित है।
- राज्य में बीहन लाख की कमी को दूर करने हेतु कृषकों के पास उपलब्ध बीहन लाख को उचित मूल्य पर क्रय करने के लिये क्रय दर का निर्धारण किया गया है। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख (बेर वृक्ष से प्राप्त) के लिये कृषकों को देय क्रय दर 550 रुपए प्रति किलोग्राम तथा रंगीनी बीहन लाख (पलाश वृक्ष से प्राप्त) के लिये कृषकों को देय क्रय दर 275 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।
- इसी तरह कृषकों को बीहन लाख उपलब्ध कराने हेतु विक्रय दर का भी निर्धारण किया गया है। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख (बेर वृक्ष से प्राप्त) के लिये कृषकों को देय विक्रय दर 640 रुपए प्रति किलोग्राम और रंगीनी बीहन लाख (पलाश वृक्ष से प्राप्त) के लिये कृषकों को देय विक्रय दर 375 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।
- राज्य सरकार द्वारा किसानों को लाख की खेती के लिये प्रोत्साहित करने हेतु ज़िला सहकारी बैंक के माध्यम से लाख फसल ऋण नि:शुल्क ब्याज के साथ प्रदाय करने की व्यवस्था की गई है। इसके तहत लाख पालन करने हेतु पोषक वृक्ष कुसुम पर 5 हज़ार रुपए, बेर पर 900 रुपए तथा पलाश पर 500 रुपए प्रति वृक्ष ऋण सीमा निर्धारित है।
- लाख पालन को वैज्ञानिक पद्धति से करने हेतु राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा कांकेर में प्रशिक्षण केंद्र खोला गया है। इस केंद्र में 3 दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण के साथ लाख उत्पादन क्लस्टर में ऑनफार्म प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।
- लाख पालन की अच्छी खेती के लिये कुसुम वृक्ष गर्मी के मौसम में अत्यंत उपयुक्त है, परंतु वर्षा ऋतु में बेर वृक्ष कुसुमी लाख पालन हेतु उपयुक्त है। अतएव कुसुम वृक्षों से आच्छादित क्षेत्रों में मीठा बेर रोपण कर वर्ष में 2 फसल लेते हुए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है। इसके मद्देनज़र राज्य में कुसुम समृद्ध क्षेत्रों में कृषकों की मेड़ तथा निजि भूमि पर बृहद स्तर पर मीठा बेर रोपण हेतु वन विभाग द्वारा प्रयास किया जा रहा है।
- राज्य में लाख पालन में वृद्धि हेतु तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के युवा सदस्य, जो 12वीं उत्तीर्ण हैं, उन्हें 'वनधन मित्र' के रूप में चयन कर लाख कृषक सर्वेक्षण, प्रशिक्षण, बीहन लाख व्यवस्था तथा फसल ऋण प्रदायगी आदि में उचित मानदेय पर उपयोग किया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 200 वनधन मित्र (लाख) द्वारा विभिन्न ज़िला यूनियनों में अपनी सेवाएँ लाख कृषकों को प्रदान की जा रही है।
- गौरतलब है कि राज्य के विभिन्न ज़िलों में परंपरागत रूप से लाख की खेती होती है और लगभग 50 हज़ार कृषकों द्वारा कुसुम एवं बेर वृक्षों पर कुसुमी लाख, पलाश एवं बेर वृक्षों पर रंगीनी लाख पालन किया जाता है।

नोट :

- राज्य में वर्तमान में 4 हज़ार टन लाख का उत्पादन होता है, जिसका अनुमानित मूल्य राशि 100 करोड़ रुपए है। राज्य में लाख उत्पादन को 10 हज़ार टन तक बढ़ाते हुए 250 करोड़ रुपए की आय कृषकों को देने का लक्ष्य है। इसके लिये लाख पालन करने वाले कृषकों को नि:शुल्क ब्याज के साथ लाख फसल ऋण देने का अहम निर्णय लिया गया है।
- संपूर्ण देश में लाख उत्पादन में गिरावट के कारण वर्तमान में कुसुमी लाख का बाज़ार दर 300 रुपए से 900 रुपए प्रति किलोग्राम तक वृद्धि हुई है। इससे लाख खेती बढ़ाने हेतु किसानों का रुझान बढ़ रहा है।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहली बार होगा पक्षी सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान निदेशक धम्मशील गणविर ने बताया कि बर्ड कॉउंट इंडिया एवं बड्र्स एंड वाइल्ड लाइफ ऑफ छत्तीसगढ़ के सहयोग से बस्तर अंचल स्थित कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहली बार पक्षियों का सर्वेक्षण किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- निदेशक धम्मशील गणविर ने बताया कि कांगेर घाटी पक्षी सर्वेक्षण का कार्य 25 नवंबर से 27 नवंबर, 2022 तक किया जाएगा। इस पक्षी सर्वेक्षण में देश के 11 राज्यों के 56 पक्षी विशेषज्ञों का चयन किया गया है।
- छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान से प्रतिभागी इस पक्षी सर्वेक्षण में शामिल होंगे।
- तीन दिनों तक पक्षी विशेषज्ञ कांगेर घाटी के अलग-अलग पक्षी रहवासों का निरीक्षण कर यहाँ पाए जाने वाले पक्षियों का सर्वेक्षण करेंगे। देश के विभिन्न परिदृश्यों में पाए जाने वाले पक्षियों का कांगेर घाटी से संबंध एवं उनके रहवास को समझने का प्रयास समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा किया गया है।
- इस सर्वेक्षण से राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन में सहायता होगी तथा ईको-टूरिज्म में बर्ड वॉचिंग के नए आयाम सम्मिलित होंगे।
- उल्लेखनीय है कि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर मध्य भारत के जैव-विविधता का एक अनोखा खजाना है। कांगेर घाटी अपने प्राकृतिक सौंदर्य, जैव-विविधता, रोमांचक गुफाओं के लिये देश-विदेश में विख्यात है। यहाँ भारत के पश्चिमी घाट एवं पूर्वी हिमालय में पाए जाने वाले पक्षियों को भी देखा गया है।

छत्तीसगढ़ की प्रख्यात चेस खिलाड़ी किरण अग्रवाल बनीं भारतीय शतरंज टीम की कोच

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने छत्तीसगढ़ की प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी किरण अग्रवाल को भारतीय शतरंज टीम का कोच नियुक्त किया है। इससे पूर्व 2004 में भी किरण अग्रवाल ने भारतीय शतरंज टीम की कोच बनने का गौरव हासिल किया था।

प्रमुख बिंदु

- इस्पात नगरी भिलाई की किरण अग्रवाल आगामी 13 नवंबर से 23 नवंबर तक श्रीलंका में आयोजित होने जा रही कामनवेल्थ चेस चैंपियनशिप में शामिल होने वाली 16 सदस्यीय भारतीय टीम में बतौर कोच शिरकत करेंगी।
- किरण अग्रवाल के अलावा प्रवीण थिप्से, वी. रविचंद्रन एवं प्रसन्नजीत दत्ता भी भारतीय शतरंज टीम के कोच बनाए गए हैं।
- गौरतलब है कि किरण अग्रवाल प्रदेश की एकमात्र महिला शतरंज खिलाड़ी हैं, जिन्हें वीमेन फीडे मास्टर का टाइटल विश्व शतरंज महासंघ द्वारा प्रदत्त किया गया है। विदित है कि शतरंज ओलंपियाड के समय छत्तीसगढ़ में टॉर्च रिले लाई गई थी, जिसमें टॉर्च थामने का सौभाग्य भी किरण अग्रवाल को मिला था।

नोट :

- किरण लंदन, दुबई, जर्मनी, यूगोस्लाविया, बांग्लादेश, दोहा (कतर) जैसे लगभग 15 से अधिक प्रमुख देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने प्रदर्शन से प्रतिद्वंद्वियों को लोहा मनवा चुकी हैं।
- इनकी उपलब्धियों को देखते हुए तत्कालीन मध्य प्रदेश सरकार ने 1986 में इन्हें 'विक्रम अवार्ड' से नवाजा था।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के राज्य सचिव हेमंत खुटे ने बताया कि राज्य के विनोद राठी व किरण अग्रवाल शतरंज जगत् की ऐसी हस्ती हैं, जो देश के लिये काफी भाग्यशाली साबित हुए हैं। वर्ष 2001 में विश्व जूनियर अंडर-20 भारतीय दल के कोच बनकर विनोद राठी एथेंस (ग्रीस) गए थे, जहाँ महिला वर्ग का खिताब कोनेरू हंपी ने जीता था। वहीं वर्ष 2004 में किरण अग्रवाल को भारतीय टीम की कोच बनकर लेबनान जाने का मौका मिला, जिसमें भारतीय टीम को सिल्वर मेडल की प्राप्ति हुई थी।

प्रदेश में अब तक जांजगीर-चांपा ज़िले में सर्वाधिक गोमूत्र की खरीदी

चर्चा में क्यों ?

9 नवंबर, 2022 को कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्त्वाकांक्षी 'गोधन न्याय योजना'के अंतर्गत जांजगीर-चांपा ज़िले में अब तक प्रदेश में सर्वाधिक गोमूत्र की खरीदी की गई है।

प्रमुख बिंदु

- कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा ज़िला 9 हज़ार 2 सौ 28 लीटर गोमूत्र खरीदी के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप राज्य सरकार द्वारा महत्त्वाकांक्षी 'गोधन न्याय योजना'का संचालन प्रदेशभर में किया जा रहा है, जिससे किसानों, पशुपालकों एवं योजना से जुड़े स्व-सहायता समूह आर्थिक रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।
- जांजगीर-चांपा ज़िले में कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में 'गोधन न्याय योजना' का बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। ज़िले में गोमूत्र से फसलों में कीटनियंत्रक और वृद्धि के लिये ब्रह्मास्त्र (कीटनाशक) और जीवामृत (वृद्धिवर्द्धक) उत्पाद तैयार किया जा रहा है, जिससे ज़िले के किसान अधिकाधिक लाभान्वित हो रहे हैं। इसी का नतीजा है कि जांजगीर-चांपा ज़िले में अब तक प्रदेश में सर्वाधिक गोमूत्र की खरीदी की गई है।
- ज़िले में वर्तमान में 106 किसान गोमूत्र से बने उत्पाद जीवामृत एवं ब्रह्मास्त्र का लाभ ले रहे हैं, जिससे ज़िले के किसानों को खर्चीले रासायनिक कीटनाशकों से मुक्ति मिल रही है और वे जैव कीटनाशकों का उपयोग कर लाभान्वित हो रहे हैं।
- कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा ज़िले के विकासखंड अकलतरा के तिलई गोठान एवं विकासखंड नवागढ़ के खोखरा गोठान में चार रुपए प्रति लीटर की दर से अब तक 7 हज़ार 216 लीटर गोमूत्र खरीदी की जा चुकी है तथा गोमूत्र से बने उत्पाद ब्रह्मास्त्र का 106 किसानों के खेतों में प्रयोग कराया गया है।
- विकासखंड अकलतरा के तिलई गोठान के आरती स्व-सहायता समूह की महिलाएँ गोमूत्र से जीवामृत और ब्रह्मास्त्र बना रही हैं। महिलाओं ने यहाँ जीवामृत 200 लीटर एवं ब्रह्मास्त्र 9 सौ 11 लीटर बनाकर 8 सौ 64 लीटर उत्पाद विक्रय किया है। इसी प्रकार विकासखंड नवागढ़ के खोखरा गोठान में सागर स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने गोमूत्र से अबतक 9 सौ 74 लीटर ब्रह्मास्त्र एवं 400 लीटर जीवामृत बनाकर विक्रय किया है।
- ब्रह्मास्त्र और जीवामृत उत्पाद का उपयोग करने वाले किसानों ने बताया कि धान फसल में कीटनियंत्रण हेतु जैव कीटनाशक ब्रह्मास्त का छिड़काव करने से कीटों पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है तथा उनकी फसल का स्वास्थ्य बहुत अच्छा है।
- किसानों ने बताया कि ब्रह्मास्त्र और जीवामृत से पौधों में बढ़वार व कंसो की संख्या अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक है। इससे रासायनिक खाद के दुष्प्रभाव से बचाव एवं भूस्वास्थ्य सुधार के साथ-साथ भूमि में जीवांश में वृद्धि होने से उत्पादन लागत में कमी आई है तथा फसल स्वास्थ्य अच्छा होने के साथ-साथ लगातार स्थिर उत्पादन में बढ़ोतरी होने की अच्छी संभावना है।

नोट :

छत्तीसगढ़ सरकार का विद्यार्थियों के हित में बड़ा निर्णय

चर्चा में क्यों ?

10 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में यह निर्णय लिया गया है कि विद्यार्थियों को अब प्रतिवर्ष जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की बजाय एक ही बार जाति प्रमाण-पत्र जारी किये जाएंगे। विद्यार्थियों को जारी जाति प्रमाण-पत्र स्थायी अभिलेख की तरह होंगे।

प्रमुख बिंदु

- राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी कलेक्टरों को जारी किये गए निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि स्थायी सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण-पत्र (जाति प्रमाण-पत्र) की मान्यता समय के द्वारा सीमित नहीं होगी, अर्थात् यह कालातीत नहीं होगा, यह सर्वदा के लिये होगा। यह एक तरह से स्थायी अभिलेख है।
- बार-बार जाति प्रमाण जारी किये जाने की आवश्यकता नहीं है। जाति प्रमाण-पत्र खो जाने की स्थिति में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इसका डुप्लीकेट भी जारी किया जा सकेगा।
- कलेक्टरों को निर्देश दिये गए हैं कि छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित समस्त शासकीय, निजी शालाओं एवं केंद्रीय बोर्ड की शालाओं में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र उनकी शालाओं में अध्ययनरत् होने के दौरान ही उनकी शालाओं में वितरित किये जाएं तथा उक्त शिविर का आयोजन प्रत्येक वर्ष निरंतर रूप से जारी रखा जाए।
- कलेक्टरों को निर्देश दिये गए हैं कि शालाओं में लंबित जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र आगामी शैक्षणिक सत्र तक जारी किये जाएँ। कलेक्टरों को इस संबंध में मासिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से सामान्य प्रशासन विभाग (आरक्षण प्रकोष्ठ) को भेजने के निर्देश दिये गए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार और आईसीसीआर के बीच समझौता

चर्चा में क्यों ?

11 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की उपस्थिति में नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के मध्य समझौता हुआ।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ सरकार और आईसीसीआर के बीच हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य आईसीसीआर और राज्य सरकार की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश में संस्कृति और पर्यटन विषयक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा सुदृढ़ अधोसंरचनाओं के निर्माण के साथ ही अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को विकसित करना है।
- छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के मध्य समझौते से राज्य में संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खुलेंगी।
- इस समझौते से विभिन्न देशों के प्रतिभागी कलाकारों की प्रस्तुति छत्तीसगढ़ राज्य में आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक और पर्यटन से जुड़े कार्यक्रमों में हो सकेगी। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य के कला समूहों की प्रदर्शनी, कला शिविरों, संगोष्ठी, सम्मेलन, प्रदर्शनकारी कलाओं की कार्यशाला आदि का आयोजन विदेशों में आयोजित हो सकेंगे, इससे छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के दौरान विदेशों से आए नर्तक दलों को यहाँ आमंत्रित करने एवं आयोजन उपरांत उन्हें ससम्मान उनके देश वापस भेजने में आईसीसीआर की सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

नोट :

प्रदेश के 26 स्कूल स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

14 नवंबर, 2022 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में छत्तीसगढ़ के 11 ज़िलों के 26 स्कूलों को राज्यस्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिसेफ और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसमें ओवरऑल परफॉर्मेंस पर 20 स्कूलों को और उप-श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये छह स्कूलों को सम्मानित किया गया।
- प्रबंध संचालक (समग्र शिक्षा) नरेंद्र कुमार दुग्गा ने बताया कि यह पुरस्कार दो श्रेणियों में दिया जाता है, जिसमें सभी उप-श्रेणियों (कुल स्कोर) में समग्र प्रदर्शन और प्रत्येक उप-श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, अर्थात् पानी, शौचालय, धुलाई, संचालन रख-रखाव, क्षमता निर्माण और व्यवहार परिवर्तन एवं कोविड-19 की तैयारी के लिये दिया जाता है।
- स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम द्वारा कार्यक्रम में ओवरआल परफॉर्मेंस पर 20 स्कूलों को सम्मानित किया गया। इनमें हायर सेकेंडरी स्कूल आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रावन ज़िला बलौदाबाजार, सेंट जेवियर्स पी.एस.राजपुर ज़िला बलरामपुर, शासकीय उच्च विद्यालय पाली और टैगोर इंटरनेशनल स्कूल सकरी ज़िला बिलासपुर, शासकीय शिव सिंह वर्मा बालिका हायर सेकेंडरी स्कूल धमतरी, शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पोटिया और स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल, कुम्हारी ज़िला दुर्ग शामिल हैं।
- इसके साथ ही जशपुर ज़िले की शासकीय उच्च प्राथमिक शाला दुलदुला, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम नवीन आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल जशपुर, शासकीय उच्च प्राथमिक बासनताला जशपुर, सेंट मैरी इएमएस, कुनकुरी, डीएवी पब्लिक स्कूल, कंडोरा, कवर्धा ज़िले की शासकीय उच्च प्राथमिक शाला परसवारा और शासकीय उच्च प्राथमिक शाला भगतपुर, कोरिया ज़िले का किड्स कैंपस पब्लिक स्कूल, हीरागिरी हल्दीबाड़ी, महासमुंद ज़िले का शासकीय उच्च प्राथमिक शाला कासेकेरा और जवाहर नवोदय विद्यालय सरायपाली, रायगढ़ ज़िले का शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रायकेरा, रायपुर ज़िले का बीपी पुजारी उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल राजातालाब और द ग्रेट इंडिया स्कूल आरंग शामिल हैं।
- इसी प्रकार उप-श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये छह स्कूलों को सम्मानित किया गया। इनमें धमतरी ज़िले में कुरूद के ग्राम दर्रा का शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, दुर्ग ज़िले का केपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल और बीएसपी हायर सेकेंडरी स्कूल, कोरिया ज़िले का जवाहर नवोदय विद्यालय केनापारा, महासमुंद ज़िले का केंद्रीय विद्यालय और राजधानी रायपुर माना कैंप स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय शामिल हैं।
- स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि प्रदेश के बिलासपुर ज़िले के टैगोर इंटरनेशनल स्कूल सकरी तखतपुर को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 19 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिये चुना गया है।
- उन्होंने बताया कि देश भर के 39 स्कूलों को राष्ट्रीय पुरस्कार 2022 हेतु चुना गया है। छत्तीसगढ़ के 55,217 स्कूलों सहित देश भर के लगभग आठ लाख स्कूलों ने स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार, 2021-22 में भाग लिया है।
- छत्तीसगढ़ राज्य ने स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 में अधिकतम स्कूल भागीदारी के लिये 97.7 प्रतिशत आवेदन जमा करने के रिकॉर्ड के साथ देश में तीसरा स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने 'नेहरू का भारत डॉटकॉम' वेबसाइट का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

14 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर उनके विचारों, व्यक्तित्व और कृतित्व पर 'नेहरू का भारत डॉट कॉम' http://nehruk-abharat.com वेबसाइट का लोकार्पण किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि पंडित नेहरू के विचारों और उनके 'आइडिया ऑफ इंडिया'से आम जनता को परिचित कराने एवं जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'पॉलिसी एनालिसिस, रिसर्च एंड नॉलेज फाउंडेशन'(पार्क फाउंडेशन) द्वारा यह वेबसाइट तैयार कराई गई है। इसके अंतर्गत डिजिटल पाक्षिक बुलेटिन भी प्रारंभ किया जा रहा है।
- इस वेबसाइट में पंडित नेहरू, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और स्वतंत्रता संग्राम पर सत्य एवं तथ्यात्मक जानकारियाँ उपलब्ध होंगी।
- इस वेबसाइट का उद्देश्य आम जनता तक सत्य और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराकर समाज के सभी वर्गों के मध्य प्रेम, सौहार्द्र, समरसता, भाईचारा और आपसी विश्वास कायम करना तथा पंडित नेहरू के 'आइडिया ऑफ इंडिया'और संविधानवाद का संरक्षण करना है।
- वेबसाइट में देश के पहले प्रधानमंत्री और स्वप्नदृष्टा पंडित जवाहर लाल नेहरू का 'आइडिया ऑफ इंडिया', जिसमें उनकी वैश्विक समझ, विश्व बंधुत्व, मानवतावादी दृष्टि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और धर्मनिरपेक्ष सोच के साथ-साथ समावेशी विचारधारा, उनके प्रगतिशील विचार समाहित हैं।

कचरा प्रबंधन में दुर्ग निगम को मिला देश में प्रथम स्थान

चर्चा में क्यों ?

16 नवबंर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के दुर्ग नगर निगम ने कचरे के बेहतर प्रबंधन में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, इसके लिये नगर निगम को सीआईआई श्रीआर अवार्ड-2022 से नवाजा गया है।

प्रमुख बिंदु

- सीआईआई श्रीआर अवार्ड 30 नवबंर को दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।
- गौरतलब है कि सीआईआई यानि कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (भारतीय उद्योग परिसंघ) की स्थापना 1895 में हुई। यह भारत की एक गैर सरकारी, गैर लाभ, उद्योग नेतृत्व तथा उद्योग प्रबंधित संगठन है। यह भारत की औद्योगिक विकास प्रक्रिया में एक भूमिका निभाता है।
- दुर्ग निगम को यह पुरस्कार शहर में उत्पादित कचरे के बेहतर प्रबंधन, पुनर्चक्रण व निष्पादन के क्षेत्र में मिला है।
- उल्लेखनीय है कि नगर निगम 3 आर-रिड्यूज, रिसाइकिल व रियूज के सिद्धांत के तहत सॉलिड वेस्ट मेजेनमेंट में बेहतर कार्य कर रहा है।
- इस नगर निगम में घरों में ही डोर टू डोर कचरा संग्रहण के माध्यम से गीला व सूखा कचरा अलग-अलग किया जाता है।
- विदित है कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिये छत्तीसगढ़ के अलावा पूरे भारत के नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायतों ने हिस्सा लिया था।

राज्यस्तरीय व्यक्तित्व विकास प्रतियोगिता 2022-23

चर्चा में क्यों ?

17 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 'पढ़ाई तुंहर दुआर 0' के अंतर्गत बच्चों के व्यक्तित्व विकास की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में किया गया। प्रतियोगिता में शामिल पाँच संभागों के विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- व्यक्तित्व विकास की इस प्रतियोगिता में निबंध, तात्कालिक भाषण, चित्रकला, विज्ञान प्रोजेक्ट मॉडल, भाषा एवं गणित या स्पीड गणित, स्पीड रीडिंग एवं सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नोट :

- इसके पूर्व यह प्रतियोगिता स्कूल से संभाग स्तर तक 5 चरणों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता प्राथमिक, मिडिल, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के स्तर पर आयोजित की गई। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लगभग 200 विद्यार्थियों ने प्रतिनिधित्व किया।
- समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालक नरेंद्र कुमार दुग्गा ने राज्यस्तरीय व्यक्तित्व विकास प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियाँ बढ़ी हैं, इन चुनौतियों को अवसर मानते हुए बालक, पालक और शिक्षक मिलकर सतत् शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ेंगे।
- उन्होंने बताया कि प्रदेश में 47 हज़ार से अधिक शासकीय स्कूलों में अध्ययनरत् 43 लाख बच्चों में से चयनित होकर प्रतियोगिता में शामिल हुए हैं।
- विज्ञान प्रोजेक्ट मॉडल प्रतियोगिता में पूर्व माध्यमिक स्तर पर प्रथम बिलासपुर ज़िले के प्रथमा केवट, द्वितीय जगदलपुर ज़िले के मयंक बालसहरिया, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम दुर्ग ज़िले के अक्षत वैष्णव और द्वितीय स्थान पर दुर्ग ज़िले के ही नेमीचंद को पुरस्कृत किया गया।
- निबंध प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर प्रथम बिलासपुर ज़िले की यामिनी पांडेय, द्वितीय धमतरी ज़िले की भाविका सोनकर, मिडिल स्कूल स्तर पर प्रथम दुर्ग ज़िले की प्रिया लारेन्द्र, द्वितीय जगदलपुर ज़िले के राकेश मरकाम, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम जगदलपुर ज़िले की दीक्षा मांझी, द्वितीय दुर्ग ज़िले की शिवानी चौबे को पुरस्कृत किया गया।
- तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में पूर्व माध्यमिक स्तर पर प्रथम बेमेतरा ज़िले की ज्योति साहू, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम जगदलपुर ज़िले की आकांक्षा और द्वितीय स्थान दुर्ग ज़िले की रागिनी सपहा ने प्राप्त किया।
- चित्रकला प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर प्रथम जगदलपुर ज़िले के अनन्य, द्वितीय बिलासपुर ज़िले की कंचन विश्वकर्मा, मिडिल स्कूल स्तर पर प्रथम दुर्ग ज़िले की अंकिता ओझा, द्वितीय बिलासपुर ज़िले की नुपुर माली, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम कांकेर ज़िले की पूजा जैन और द्वितीय रायपुर ज़िले के कमलेश्वर साहू को पुरस्कृत किया गया।
- इसी प्रकार स्पीड रीडिंग प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर प्रथम रायपुर ज़िले के मोहम्मद नुमान, द्वितीय दुर्ग ज़िले की प्रिया साहू, मिडिल स्कूल स्तर पर प्रथम बलरामपुर ज़िले की माधुरी पटेल और द्वितीय बिलासपुर ज़िले की सुष्मिता गोंड को पुरस्कृत किया गया।
- मौखिक गणित, स्पीड गणित प्रतियोगता में प्राथमिक स्तर पर प्रथम सूरजपुर ज़िले के गौतम यादव, द्वितीय दुर्ग ज़िले के सत्यम साहू, मिडिल स्कूल स्तर पर प्रथम अंबिकापुर ज़िले की माही गुप्ता और द्वितीय स्थान बिलासपुर ज़िले के मुल्कराज साहू ने प्राप्त किया।
- सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता में हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम दुर्ग ज़िले के पवन कुमार और द्वितीय बिलासपुर ज़िले के देवेंद्र कुमार को पुरस्कार प्रदान किया गया।

जल जीवन मिशन: राज्य में 16.42 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन

चर्चा में क्यों ?

17 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जन-संपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। अब तक राज्य में 16 लाख 42 हज़ार 479 घरेलू नल कनेक्शन लगाए जा चुके हैं।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि जल जीवन मिशन संचालक टोपेश्वर वर्मा द्वारा समय-समय पर नल-जल योजनांतर्गत सोलर आधारित, रेट्रोफिटिंग, मल्टी विलेज और सिंगल विलेज योजनाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है।
- उन्होंने स्कूल, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में रनिंग वाटर की व्यवस्था, आईएसए ट्रेनिंग, जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रचार-प्रसार हेतु दीवार लेखन, चित्रकारी इत्यादि कार्य समयबद्ध रूप से कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। इसके साथ-ही-साथ सभी प्रगतिरत कार्य की अद्यतन जानकारी आईएमआईएस पोर्टल में इन्द्राज करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में जल जीवन मिशन में एक हज़ार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु 23 लाख 57 हज़ार 744 ग्रामीण परिवारों को नल से जल प्रदाय किये जाने का लक्ष्य है। अब तक इस वित्तीय वर्ष में 6 लाख 18 हज़ार 491 ग्रामीण परिवारों को नल से जल प्रदाय किया गया है।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि राज्य में जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जा रहा है। अब तक राज्य के 43 हज़ार 844 स्कूलों में, 41 हज़ार 661 आंगनबाड़ी केंद्रों तथा 17 हज़ार 278 ग्राम पंचायतों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों में टैब नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

सुघ्घर पढ़वईया योजना

चर्चा में क्यों ?

17 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जन-संपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी शासकीय प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में पढ़ने वालों बच्चों में उनकी प्रतिभा के अनुरूप कौशल विकसित करने के लिये 'सुघ्घर पढ़वईया योजना' शुरू की गई है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बाल दिवस के अवसर पर इस योजना की घोषणा की थी।
- इस योजना के तहत बच्चों में उत्कृष्ट अकादमिक कौशल विकसित करने के लिये स्कूलों को पुरस्कार भी मिलेगा। प्लेटिनम पाने वाले स्कूलों को एक लाख रुपए, गोल्ड पाने वाले स्कूलों को 50 हज़ार रुपए और सिल्वर पाने वाले स्कूलों को 25 हज़ार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।
- इस योजना का उद्देश्य स्वप्रेरणा से अच्छे कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करना है। उन्हें देखकर और भी शिक्षक अच्छे से कार्य करने के लिये प्रेरित हो सकेंगे। अधिक-से-अधिक शिक्षक सकारात्मक कार्य करने के लिये टीम बनाकर बेहतर माहौल बनाने में सफल होंगे।
- विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में अधिक-से-अधिक स्कूलों को बेहतर स्कूलों के रूप में विकसित करने की जवाबदेही लेने से सरकारी स्कूलों की छवि में अप्रत्याशित सुधार दिखाई देगा और प्रदेश के सरकारी स्कूल असरकारी प्रभाव दिखाने में सफल हो सकेंगे।
- यह योजना राज्य के सभी शासकीय प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों के लिये है। स्कूल के शिक्षक आपस में राय करके कभी भी योजना में शामिल हो सकते हैं। योजना में शामिल होने के लिये स्कूल को वेब-पोर्टल पर आवेदन करना होगा।
- स्कूलों के सभी शिक्षकों को साथ मिलकर स्कूल के सभी विद्यार्थियों में अकादमिक कौशल विकसित करना है। प्रमाण-पत्र के लिये पात्रता तभी होगी, जब पूरा स्कूल प्रमाण-पत्र का पात्र होगा। किसी एक शिक्षक, एक विद्यार्थी या एक कक्षा के लिये प्रमाण-पत्र नहीं होगा।
- जो स्कूल योजना में शामिल होंगे, उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिये अनुरोध करने पर ऑन डिमांड प्रशिक्षण तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। जिन स्कूलों को प्रमाण-पत्र मिलेगा, उन स्कूल में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को भी प्रमाण-पत्र मिलेगा। प्रमाणीकरण की घोषणा थर्ड-पार्टी आकलन के तत्काल बाद वेब-पोर्टल पर की जाएगी। प्रमाण-पत्र स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोहपूर्वक प्रदान किया जाएगा।
- स्कूल के सभी विद्यार्थियों का आकलन योजना के लिये स्वीकार किये गए समस्त अकादमिक कौशलों हेतु किया जाएगा और कम-से-कम 95 प्रतिशत विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल होने पर ही उस कक्षा और उस अकादमिक कौशल के लिये स्कूल को 1 अंक मिलेगा।
- 95 प्रतिशत से कम विद्यार्थियों में कक्षा अनुरूप न्यूनतम अकादमिक कौशल मिलने पर उस कक्षा और अकादमिक कौशल के लिये शून्य अंक दिया जाएगा।
- जिन संकुलों के 90 प्रतिशत से अधिक स्कूल 'सुघ्घर पढ़वईया' प्लेटिनम, गोल्ड या सिल्वर, किसी भी स्तर का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेंगे, उन्हें सुघ्घर पढ़वईया संकुल का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।
- इसी प्रकार जिस विकासखंड के 90 प्रतिशत से अधिक स्कूल सुघ्घर पढ़वईया प्लेटिनम, गोल्ड या सिल्वर, किसी भी स्तर का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेंगे, उन्हें सुघ्घर पढ़वईया विकासखंड का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पर प्लेटिनम, 85 प्रतिशत या उससे अधिक, परंतु 90 प्रतिशत से कम अंक मिलने पर गोल्ड और 80 प्रतिशत या उससे अधिक, परंतु 85 प्रतिशत से कम अंक मिलने पर सिल्वर प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

नोट :

- यदि कोई स्कूल इस योजना में सिल्वर या गोल्ड प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेता है तो वह स्कूल आगे और प्रयास करके सुघ्घर पढ़वईया गोल्ड या सुघ्घर पढ़वईया प्लेटिनम प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर सकता है। इस योजना में निरंतर प्रगति का प्रयास किया जा सकता है। योजना में सभी स्कूल प्रयास करके सुघ्घर पढ़वईया प्लेटिनम प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

मत्स्य पालन के लिये मिला बेस्ट इनलैंड स्टेट का पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

18 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश में मत्स्यपालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को बेस्ट इनलैंड स्टेट पुरस्कार के लिये चुना गया है। छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार केंद्रशासित प्रदेश दमन में 21 नवंबर को दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- मत्स्य पालन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह पुरस्कार विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड द्वारा दिया जाता है।
- विदित है कि राज्य में मत्स्य उद्योग एक मत्स्य पालन आधारित है, जिसमें 'मेजर कार्प' मत्स्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। राज्य के 91,928 तालाब (094 लाख हेक्टेयर) कल्चर फिशरीज का मुख्य आधार हैं। इसका 92 प्रतिशत जलक्षेत्र मत्स्य पालन के अंतर्गत है।
- प्रदेश में वर्ष 2020-21 में 77 लाख टन मत्स्योत्पादन हुआ, जो वर्ष 2007-08 में 1.39 लाख टन था। वर्ष 2007-08 से 2020-21 तक मत्स्य उत्पादन में कुल वृद्धि 315 प्रतिशत दर्ज की गई।
- मत्स्य पालन को लेकर किसानों में रुचि बढ़ी है। एक तरफ जहाँ 2012-13 में कम संख्या में किसानों ने मत्स्य पालन के लिये तालाब बनाने हेतु शासन की मदद ली थी, वहीं बीते कुछ वर्षों में हज़ारों की संख्या में लोगों ने इसमें रुचि दिखाई है।
- वर्तमान में प्रदेश के 20 लाख व्यक्ति मत्स्य पालन में संलग्न हैं एवं 318 लाख मानव दिवस रोज़गार सृजन हो रहा है।
- राज्य में 88,671 ग्रामीण तालाब जलक्षेत्र 094 हेक्टेयर तथा 1,770 सिंचाई जलाशय 0.826 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र, कुल 1.920 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र मछली पालन हेतु 2021-22 में उपलब्ध है। वर्ष 2021-22 तक उपलब्ध जलक्षेत्र में से 1.812 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र, ग्रामीण तालाब 1.011 लाख एवं सिंचाई जलाशय 0.801 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।
- गौरतलब है कि मत्स्य विभाग प्रदेश के ग्रामीण लोगों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिये तकनीकी मार्गदर्शन देते हुए प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। मछली बीज भी उपलब्ध कराता है। शासन की योजनाएँ आज गाँव के स्वरूप को नई आकृति प्रदान कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने हाट बाज़ार क्लीनिक योजना पर डब्ल्यूएचओ द्वारा तैयार कराई गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज की

चर्चा में क्यों ?

21 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीशगढ़ सरकार की हाट बाज़ार क्लीनिक योजना पर डब्ल्यूएचओ द्वारा तैयार कराई गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज की। यह फिल्म विश्व स्वास्थ्य संगठन के जिनेवा स्थित मुख्यालय में दिखाई जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने छत्तीसगढ़ की हाट बाज़ार क्लीनिक योजना की सराहना की है। डब्ल्यूएचओ ने वनांचल और दूरस्थ अंचल के गाँवों में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने में कारगर छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार कराई है।
- इस अवसर पर उपस्थित डब्ल्यूएचओ की प्रतिनिधि डॉ. हिल्डे डी. ग्रीव ने कहा कि मुख्यमंत्री हाट बाज़ार क्लीनिक योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति को मिल रहा है। यह नवाचार देश के किसी अन्य राज्य में नहीं है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए डब्ल्यूएचओ ने इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण कराया है, जिससे इस योजना का प्रचार-प्रसार अन्य राज्य ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी हो सकेगा।

नोट :

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संवेदनशीलता के साथ दूरस्थ अंचल के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये इस योजना के माध्यम से सराहनीय पहल की है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि हाट बाज़ार क्लीनिक योजना के माध्यम से अब तक 62 लाख 47 हज़ार से अधिक लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
- इस योजना का लाभ आज वनांचल क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति को भी मिल रहा है। जो लोग अस्पताल से दूरी होने की वजह से अपना इलाज नहीं करा पाते थे, वे आज अपने घर के समीप इस योजना के माध्यम से इलाज करा रहे हैं।
- हाट-बाज़ार क्लीनिक योजना की मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान और मुख्यमंत्री सुपोषण योजना की सफलता में प्रभावी भूमिका रही है। इस योजना के संचालन से बस्तर में डायरिया के प्रकरण काफी कम हुए हैं।
- विदित है कि 429 मेडिकल मोबाइल वाहनों की मदद से प्रदेश में 1798 हाट-बाज़ार क्लीनिक योजना का संचालन किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 28 हज़ार से अधिक हाट बाज़ार क्लीनिक के माध्यम से पिछले 4 वर्षों में 62 लाख 47 हज़ार से अधिक लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई है।
- हाट-बाज़ार क्लीनिक योजना में 10 प्रकार की जाँच और 60 प्रकार की दवाइयाँ नि:शुल्क दी जा रही हैं। इस योजना में 57 लाख 35 हज़ार से अधिक लोगों को दवा वितरण किया गया तथा 25 लाख से अधिक लोगों ने पैथोलॉजी जाँच कराई है।
- हॉट बाज़ार क्लीनिक योजना में गर्भवती माताओं की जाँच, संक्रामक तथा असंक्रामक बीमारियों की जाँच, नेत्र रोग जाँच, कुपोषण जाँच, चर्म रोग, मधुमेह, टीबी, कुष्ठरोग, उच्च रक्तचाप तथा एचआईवी जाँच और परिवार नियोजन संबंधी सलाह लोगों को दी जा रही है। इन क्लीनिकों में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य सचिव आर. प्रसन्ना ने कहा कि इस योजना में मरीज़ों को रेफरल इलाज के लिये आवश्यकता अनुसार नज़दीक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ज़िला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज में भेजा जा रहा है। पिछले 4 वर्षों में हाट बाज़ार क्लीनिक में आने वाले मरीज़ों की संख्या 18 से बढ़कर 72 हो गई है।

बास्केटबॉल में छत्तीसगढ़ की ऊँची छलांग

चर्चा में क्यों ?

21 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ की बास्केटबॉल टीम ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में आयोजित 47वें सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पाँचवा स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और अपनी 11वीं रैंकिंग में सुधार करते हुए 5वीं रैंक हासिल की।
- छत्तीसगढ़ की टीम अपने क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक से चुनौतीपूर्ण मुकाबले में 47-42 से पराजित हुई। छत्तीसगढ़ की बालिका टीम केरल को 41-35 से पराजित कर सब जूनियर नेशनल में पाँचवे स्थान में रही।
- छत्तीसगढ़ की जूनियर नेशनल बास्केटबॉल बालिका टीम में आशा (कप्तान), अंतरा, दिव्या, सारा, रेहा, अमुदिनी, देविका, आस्था सोनी, छवि, शुभांगी, अक्सारा, जेनी शामिल थीं।
- गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की बालिकाओं की टीम ने केरल, गुजरात, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान एवं गोवा जैसी मज़बूत टीमों को करारी शिकस्त दी।
- बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 11वें स्थान से लंबी छलांग लगाकर देश में 5वाँ स्थान प्राप्त कर उच्च वर्ग श्रेणी में जगह बनाई, जिससे आगे होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्हें काफी मदद मिलेगी।

नोट :

मुख्यमंत्री ने राजनांदगाँव ज़िला अस्पताल में डायलिसिस यूनिट का किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

22 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनांदगाँव ज़िला चिकित्सालय (बसंतपुर) में 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- राजनांदगाँव ज़िले में डायलिसिस यूनिट के शुभारंभ होने से मरीज़ों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। इस अस्पताल में 5 डायलिसिस यूनिट की स्थापना से सुदूर वनांचल क्षेत्र एवं अन्य ज़िलों के मरीज़ भी लाभान्वित होंगे।
- उल्लेखनीय है कि डायबिटीज एवं हाई ब्लड प्रेशर ज़्यादा बढ़ने पर यह बीमारी गंभीर हो जाती है और किडनी ठीक से कार्य करना बंद कर देती है। इस बीमारी के इलाज में काफी खर्च हो जाता है। इसी समस्या से राहत दिलाने में यह डायलिसिस यूनिट कारगर साबित होगी।

'मोर मयारू गुरुजी' कार्यक्रम को मिला स्कॉच अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा संचालित 'मोर मयारु गुरूजी'कार्यक्रम का चयन स्कॉच अवार्ड (सिल्वर) के लिये किया गया। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को यह अवार्ड नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को स्कॉच अवार्ड मिलने की घोषणा ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई। इसमें देशभर से कई राज्य शामिल हुए।
- छत्तीसगढ़ से राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम, सदस्यगण पुष्पा पाटले, आशा संतोष यादव, संगीता गजभिये, सोनल कुमार गुप्ता, अगस्टीन बर्नाड और सचिव प्रतीक खरे कार्यक्रम में शामिल हुए।
- उल्लेखनीय है कि स्कॉच संस्था द्वारा नामांकन से लेकर अंतिम चरण तक लगभग 7 स्तरों पर चरणबद्ध तरीके से मूल्यांकन के बाद यह सम्मान दिया जाता है।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के 'मोर मयारू गुरुजी' कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को बाल अधिकारों की रक्षा के लिये खेल एवं अन्य गतिविधियों के ज़रिये रोचक तरीके से प्रशिक्षण दिया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आयोग ने प्रदेश के लगभग 2 हज़ार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है।
- इस कार्यक्रम को रोचक तरीके से डिज़ाईन किया गया है। इसकी अवधि मात्र 2 से 3 घंटे ही रखी गई है, जिससे शिक्षक इसे आसानी से ग्रहण कर सकें।
- आयोग का मानना है कि एक शिक्षक और बच्चे का संबंध 5 वर्ष से 12 वर्ष तक रहता है और इस बीच शिक्षक के व्यक्तित्व का बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए बाल अधिकार सहित शिक्षकों द्वारा बच्चों से वार्तालाप करते समय और पढ़ाते समय किन बातों पर ज़ोर देना है और किन कमियों को सुधारना है, इन सभी विषयों को 'मोर मयारू गुरुजी' कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

24 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ ज़िला खनिज संस्थान नियम 2015 में संशोधन किये जाने के निर्णय सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- ज़िला खनिज संस्थान न्यास से संपादित अधोसंरचना के कार्य पर व्यय हेतु न्यास निधि में प्राप्त राशि से निश्चित प्रतिशत राशि के बंधन से मुक्त किये जाने के संबंध में छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान नियम 2015 में संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत डीएमएफ के अन्य प्राथमिकता मद में उपलब्ध राशि का 20 प्रतिशत सामान्य क्षेत्र में तथा 40 प्रतिशत अधिसूचित क्षेत्र में व्यय किये जाने के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है, इससे अधोसंरचना के कार्य को गति मिलेगी, जिससे प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास तेज़ी से होगा।
- राज्य शासन छत्तीसगढ़ राज्य वनोपज संघ एवं निजी निवेशकों के मध्य संपादित त्रिपक्षीय एमओयू के आधार पर स्थापित वनोपज आधारित उद्योगों द्वारा जो उत्पाद निर्माण किये जाएंगे। छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के अंतर्गत 40 प्रतिशत की छूट के साथ क्रय करते हुए संजीवनी एवं अन्य माध्यमों से विक्रय हेतु शासन द्वारा निर्णय लिया गया है।
- इस निर्णय के फलस्वरूप उन उद्योगों को जो वनोपज आधारित उत्पादों का निर्माण करना चाहते हैं, उनको बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ हर्बल के अंतर्गत अच्छी क्वालिटी के उत्पादों का विक्रय हो सकेगा।
- छत्तीसगढ़ लोक सेवा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिये आरक्षण संशोधन विधेयक 2022 के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था में प्रवेश में आरक्षण संशोधन विधेयक के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- द्वितीय अनुपूरक अनुमान वर्ष 2022-23 का विधानसभा में उपस्थापन के लिये छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक 2022 का अनुमोदन किया गया।
- प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन साधारण प्रकृति के प्रकरणों को जनहित में वापस लिये जाने हेतु निर्धारित अवधि 31 दिसंबर, 2017 को बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2018 करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- मुख्यमंत्री जी के स्वेच्छानुदान राशि 70 करोड़ से बढ़ाकर 110 करोड़ किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- भारत सरकार के संशोधन के अनुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6 क्रमांक 4 में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रस्तुत संशोधन प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

छत्तीसगढ़ की नवीन मछली पालन नीति कैबिनेट में मंज़ूर

चर्चा में क्यों ?

24 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य की नवीन मछली पालन नीति में मछुआरा के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधन को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- मछुआ समुदाय के लोगों की मांग और उनके हितों को संरक्षित करने के उद्देश्य से नवीन मछली पालन नीति में तालाब और जलाशयों को मछली पालन के लिये नीलामी करने के बजाय लीज पर देने के साथ ही वंशानुगत-परंपरागत मछुआ समुदाय के लोगों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है।
- तालाबों एवं सिंचाई जलाशयों के जलक्षेत्र आवंटन सीमा में 50 फीसद की कमी कर ज़्यादा से ज़्यादा मछुआरों को रोजी-रोज़गार से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।
- प्रति सदस्य के मान से आवंटित जलक्षेत्र सीमा शर्त घटाने से लाभान्वित मत्स्य पालकों की संख्या दोगुनी हो जाएगी।
- संशोधित नवीन मछली पालन नीति के अनुसार मछली पालन के लिये तालाबों एवं सिंचाई जलाशयों की अब नीलामी नहीं की जाएगी, बल्कि 10 साल के पट्टे पर दिये जाएंगे।
- तालाब और जलाशय के आबंटन में सामान्य क्षेत्र में ढीमर, निषाद, केंवट, कहार, कहरा, मल्लाह के मछुआ समूह एवं मत्स्य सहकारी समिति को तथा अनुसूचित जनजाति अधिसूचित क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति वर्ग के मछुआ समूह एवं मत्स्य सहकारी समिति को प्राथमिकता दी जाएगी।

नोट :

- मछुआ से तात्पर्य उस व्यक्ति से है, जो अपनी आजीविका का अर्जन मछली पालन, मछली पकड़ने या मछली बीज उत्पादन का कार्य करता हो, के तहत वंशानुगत-परंपरागत धीवर (ढीमर), निषाद (केंवट), कहार, कहरा, मल्लाह को प्राथमिकता दिया जाना प्रस्तावित है।
- इसी तरह मछुआ समूह एवं मत्स्य सहकारी समिति अथवा मछुआ व्यक्ति को ग्रामीण तालाब के मामले में अधिकतम एक हेक्टेयर के स्थान पर आधा हेक्टेयर जलक्षेत्र तथा सिंचाई जलाशय के मामले में चार हेक्टेयर के स्थान पर दो हेक्टेयर जलक्षेत्र प्रति सदस्य/प्रति व्यक्ति के मान से आवंटित किया जाएगा।
- मछली पालन के लिये गठित समितियों का ऑडिट अभी तक सिर्फ सहकारिता विभाग द्वारा किया जाता था। अब संशोधित नवीन मछली पालन नीति में सहकारिता एवं मछली पालन विभाग की संयुक्त टीम ऑडिट की ज़िम्मेदारी दी गई है।
- त्रि-स्तरीय पंचायत व्यवस्था के अंतर्गत शून्य से 10 हेक्टेयर औसत जलक्षेत्र के तालाब एवं सिंचाई जलाशय को 10 वर्ष के लिये पट्टे पर आवंटित करने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा।
- जनपद पंचायत 10 हेक्टेयर से अधिक एवं 100 हेक्टेयर तक, ज़िला पंचायत 100 हेक्टेयर से अधिक एवं 200 हेक्टेयर औसत जलक्षेत्र तक, मछली पालन विभाग द्वारा 200 हेक्टेयर से अधिक एवं 1000 हेक्टेयर औसत जलक्षेत्र के जलाशय, बैराज को मछुआ समूह एवं मत्स्य सहकारी समिति को पट्टे पर देगा।
- नगरीय निकाय के अंतर्गत आने वाले समस्त जलक्षेत्र नगरीय निकाय के अधीन होंगे, जिसे शासन की नीति के अनुसार 10 वर्ष के लिये लीज पर आवंटित किया जाएगा।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का सातवाँ चरण 1 दिसंबर से

चर्चा में क्यों ?

25 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान'के सातवें चरण की शुरूआत 1 दिसंबर से होगी। राज्य के चार मलेरिया संवेदी ज़िलों बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और सुकमा में एक माह तक यह अभियान संचालित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि मलेरिया के मामलों को निम्नतम स्तर तक ले जाकर पूर्ण मलेरिया मुक्त राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिये प्रदेश में लगातार यह अभियान चलाया जा रहा है।
- प्रदेश में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के पिछले छह चरणों के अच्छे नतीजे आए हैं। प्रदेश में वर्ष 2018 में वार्षिक परजीवी सूचकांक (एपीआई दर) 63 था, जो अभी घटकर 0.92 पर आ गया है। बस्तर के साथ-साथ समूचे छत्तीसगढ़ में मलेरिया संक्रमण की दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर तक पहुँच चुकी है।
- मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के छटवें चरण में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सात लाख छह हज़ार घरों में जाकर 33 लाख 96 हज़ार 998 लोगों की मलेरिया जाँच की थी। इस दौरान मलेरियाग्रस्त पाए गए लोगों का तत्काल उपचार भी किया गया।
- 1 दिसंबर से शुरू हो रहे सातवें चरण में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम बस्तर संभाग के चार ज़िलों बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और सुकमा के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरे दुर्गम एवं दूरस्थ इलाकों में घर-घर पहुँचकर सभी लोगों में मलेरिया की जाँच करेगी। इस दौरान पॉजिटिव पाए गए लोगों को तत्काल मलेरिया की दवाई खिलाई जाएगी।
- मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत मलेरिया की जाँच और इलाज के साथ ही इससे बचाव के लिये जन-जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाई जाएंगी। इस दौरान लोगों को रोज मच्छरदानी के प्रयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही घरों के आसपास एकत्रित पानी और नालियों में डीडीटी या जले हुए तेल का छिड़काव किया जाएगा। घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय भी लोगों को बताए जाएंगे।

नोट :

छत्तीसगढ़ उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन हासिल करने वाला देश का चौथा राज्य

चर्चा में क्यों ?

27 नवंबर, 2022 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दुर्ग ज़िले के अमलेश्वर और रायपुर ज़िले के निसदा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण और मूल्यांकन के बाद एनक्यूएएस प्रमाण-पत्र जारी किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर एनक्यूएएस (National Quality Assurance Standard) सर्टिफिकेशन हासिल करने वाला देश का चौथा राज्य बन गया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सेवाओं के मूल्यांकन में अमलेश्वर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र को 94 प्रतिशत और निसदा को 93 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। दोनों ही स्वास्थ्य केंद्रों का इस वर्ष जुलाई में केंद्रीय टीम द्वारा मूल्यांकन किया गया था।
- हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्रों का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन 12 मानकों के आधार पर किया जाता है। इसके लिये संस्था द्वारा सेवा प्रदायगी, मरीज़ संतुष्टि, क्लिनिकल सर्विसेस, इनपुट, संक्रमण नियंत्रण, सपोर्ट सर्विसेस, गुणवत्तापूर्ण प्रबंध, आउटपुट जैसे मानकों की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन में खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किया जाता है।
- राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन का उद्देश्य अस्पतालों की सुविधाओं को सुदृढ़ करते हुए आम जनता तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाना है।
- अमलेश्वर का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर छत्तीसगढ़ राज्य का पहला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन सर्टिफाइड उप स्वास्थ्य केंद्र बन गया है।
- यहाँ हॉस्पिटल में टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से न केवल स्थानीय स्तर पर बीमारियों का परीक्षण किया जाता है, अपितु टेली कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़े अस्पताल से कनेक्ट कर मरीज़ों का चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है। उदाहरण के लिये मानसिक बीमारियों के मामले में देश की मानी हुई संस्था निमहंस बेंगलूरु के विशेषज्ञ जुड़ते हैं। इसी तरह से अन्य बीमारियों में भी स्वास्थ्य केंद्रों से लगातार संपर्क बना रहता है।
- अच्छा इलाज होने की वजह से लोग काफी आते हैं और दिल की बीमारी, कैंसर आदि बीमारियों को आरंभिक रूप से ही चिह्नांकित करने में मदद मिल जाती है। इसके साथ ही यहाँ संस्थागत प्रसव की सुविधा भी उपलब्ध है।
- उल्लेखनीय है कि अब तक प्रदेश के कुल 57 अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्राप्त हो चुका है। इनमें दस ज़िला अस्पताल, सात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 26 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 12 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और दो उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं।

धमतरी ज़िले के दो उप स्वास्थ्य केंद्र गेदरा और गाड़ाडीह को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण-पत्र

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रदेश के तीन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण-पत्र से नवाज़ा गया है। इनमें धमतरी ज़िले के दो उप स्वास्थ्य केंद्र गेदरा और गाड़ाडीह शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- मिली जानकारी के मुताबिक भारत सरकार द्वारा यह गुणवत्ता प्रमाण-पत्र स्वास्थ्य संस्थाओं को उनके द्वारा मरीजों को किये गए गुणवत्तापूर्ण और उच्च स्तरीय सेवाएँ प्रदाय करने के लिये दिया जाता है। इसके तहत ज़िला स्तरीय मूल्यांकन के बाद राज्य स्तरीय मूल्यांकन किया जाता है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन के लिये स्वास्थ्य केंद्रों का नामांकन किया जाता है।

नोट :

- इसी कड़ी में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गाड़ाडीह और गेदरा का राष्ट्रीय दल ने 20 और 21 सितंबर को मूल्यांकन किया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी, आईपीडी, लेबर रूम, लेबोरेटरी, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, राष्ट्रीय कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इसमें धमतरी ज़िले के उप स्वास्थ्य केंद्र गेदरा को 90 प्रतिशत और गाड़ाडीह को 94 प्रतिशत स्कोर मिला।
- इन संस्थाओं को प्रोत्साहन राशि के तौर पर हर साल दो लाख 25 हज़ार रूपये और प्रमाण-पत्र प्रदाय किया जाएगा, जिसका उपयोग संस्था द्वारा ज़रूरत के मुताबिक सेवाओं के विस्तार के लिये किया जाएगा।
- गौरतलब है कि इससे पहले धमतरी ज़िले के सिविल अस्पताल नगरी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चटौद को भी राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र मिल चुका है।

इंद्रावती टाईगर रिज़र्व में मिला एक और बाघ : बाघों की कुल संख्या अब छः

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इंद्रावती टाईगर रिज़र्व बीजापुर में बाघों की कुल संख्या अब 5 से बढ़कर 6 हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- इंद्रावती टाईगर रिज़र्व में लगाए गए ट्रेप कैमरा में विगत दिवस एक बाघ का फोटोग्राफ प्राप्त हुआ। इसे डब्ल्यूआईआई टाईगर सेल देहरादून द्वारा नये बाघ के रूप में पुष्टि की गई है।
- इंद्रावती टाईगर रिज़र्व बाघों के रहवास के लिये उपयुक्त स्थल है, जहाँ बाघ के अलावा अन्य वन्यजीव भी निवास करते हैं। जिसमें मुख्य रूप से वन भैंसा के साथ ही गौर, तेंदुआ, भालू, नीलगाय, हिरण, सांभर, जंगली सूअर इत्यादि वन्यप्राणियों का भी यह रहवास स्थल है।
- छत्तीसगढ़ का इंद्रावती टाईगर रिज़र्व 086 वर्ग कि.मी. के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जो महाराष्ट्र एवं तेलंगाना के वनक्षेत्र से लगा हुआ है। यह बाघों के विचरण के लिये उपयुक्त कॉरिडोर का काम करता है।
- गौरतलब है कि राज्य वन विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिये लोगों के साथ मिलकर वन्यजीव संरक्षण का कार्य लगातार किया जा रहा है।
- इंद्रावती टाईगर रिज़र्व प्रबंधन वन्यजीवों की मॉनिटरिंग एवं सुरक्षा का कार्य लगातार कर रहा है। साथ ही मैदानी अमलों द्वारा फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से लगातार वन्यजीवों की सुरक्षा एवं निगरानी की जा रही है।
- उल्लेखनीय है कि इंद्रावती टाईगर रिज़र्व बीजापुर के अंतर्गत ही हाल में ग्राम परिक्षेत्र मददेड़ बफर के अंतर्गत ग्राम चेरपल्ली में तेंदुआ के दो शावक पाए गए थे। तेंदुए के दोनों शावकों को वर्तमान में जंगल सफारी (जू) रायपुर में रखा गया है।

किडनी के मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में निःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर किडनी के मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में निःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य सरकार की यह सेवा हर वर्ग के बीमार मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक प्रदेश में 13 हज़ार से अधिक निःशुल्क डायलिसिस सेशन किये जा चुके हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के नौ ज़िलों दुर्ग, कांकेर, कोरबा, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा, महासमुंद, बीजापुर और राजनांदगाँव में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके लिये जशपुर, दुर्ग और कांकेर ज़िले में पाँच-पाँच, अंबिकापुर

नोट :

और महासमुंद में चार-चार, कोरबा में छह, बीजापुर में तीन और बिलासपुर में चार (सिम्स मेडिकल कॉलेज में तीन और बिलासपुर कोविड अस्पताल में एक) मशीन की स्थापना की गई है।

- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनता की सुविधा के लिये स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी कई योजनाओं का संचालन कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से आमजनों को सस्ती दर पर दवा और नि:शुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं।
- किडनी की बीमारी के कारण जिन मरीजों को डायलिसिस कराना होता है उन्हें निजी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस कराने के लिये एक हज़ार रूपए से 15 हज़ार रुपए तक खर्च करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने किडनी की बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में नि:शुल्क डायलिसिस की व्यवस्था करवाई है।
- प्रदेश में अब तक इन नौ ज़िला अस्पतालों में 13 हज़ार 798 नि:शुल्क डायलिसिस सेशन किये जा चुके हैं। इनमें से दुर्ग ज़िले में 4 हज़ार 885, कोरबा में 4 हज़ार 872, कांकेर में 4 हज़ार 230, बिलासपुर में 3 हज़ार 504, महासमुंद में 2 हज़ार 631, सरगुजा में एक हज़ार 390, बीजापुर में 942 और जशपुर में 675 से अधिक सेशन किये गए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया छत्तीसगढ़ी पत्रिका 'अरई तुतारी'और गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी'का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ी मासिक पत्रिका 'अरई तुतारी'और छत्तीसगढ़ी गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी' का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- मासिक पत्रिका 'अरई तुतारी'की संपादकीय टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 'अरई तुतारी'छत्तीसगढ़ी भाषा की पहली मासिक पत्रिका है। इसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति के विविध आयामों जैसे यहाँ के पर्व, लोकनृत्य, पर्यटन स्थल, सिनेमा, साहित्य आदि से जुड़े आलेखों का संग्रह छत्तीसगढ़ी भाषा में किया गया है।
- छत्तीसगढ़ी गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी'के गीतकार चंपेश्वर गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस संग्रह के माध्यम से उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखे अपने 72 गीतों को किताब की शक्ल दी है।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 13 साहित्यकारों को छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति उनकी सेवा को देखते हुए सम्मानित किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी भाषा के 10 साहित्यकारों की रचनाओं का विमोचन भी किया।
- मुख्यमंत्री ने जागेश्वर प्रसाद, रामेश्वर शर्मा, दुर्गा प्रसाद पारकर, रामनाथ साहू (सभी रायपुर), डा. जेआर सोनी (दुर्ग), पीसी लाल यादव (सक्ती), सोरिन चन्द्रसेन (महासमुंद), परमानंद वर्मा (खैरागढ़), बुधराम यादव (बिलासपुर), रंजीत सारथी (सरगुजा), डा. शैल चंद्रा एवं डुमन लाल (धमतरी) और रुद्र नारायण पाणिग्राही (जगदलपुर) को छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री ने महेत्तरू मधुकर की रचना 'गुरतुर भाखा', डॉ. सुरेश कुमार शर्मा की 'वाल्मिकी रामायण', सुखदेव सिंह अहिलेश्वर की 'बंगस्य छंद अंजोर', तेजपाल सोनी की 'मद भगवत गीता', सुमन लाल ध्रुव की 'गाँव ल सिरजाबो', राजेंद्र प्रसाद सिन्हा की 'अमरईया हे मनभावन', कमलेश प्रसाद शरमा बाबू की 'कुटिस बंदरा जझरग-जझरग', डॉ. शिल्पी शुक्ला की छत्तीसगढ़ महिला लेखन और उर्मिला शुक्ल की रचनाएँ तथा पी.सी. लाल यादव की कृतियों का विमोचन किया।

नोट :

छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में बड़ी गिरावट, 159 से घटकर 137 हुई

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा जारी वर्ष 2018 से 2020 के बीच देश में मातृत्व मृत्यु पर विशेष बुलेटिन (SRS - Sample Registration System) जारी किया गया। इसके मुताबिक तीन वर्षों में प्रदेश के एमएमआर में 22 अंकों की कमी आई है। प्रदेश में प्रति एक लाख जीवित बच्चों के जन्म पर मातृ मृत्यु की दर 159 से घटकर अब 137 हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा जारी एसआरएस के आँकड़ों के अनुसार तीन वर्षों में प्रदेश के एमएमआर में 22 अंकों की कमी आई है।
- राज्य शासन द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिये जाने के कारण वर्ष 2016 से 2018 के बीच 159 मातृत्व मृत्यु दर (एमएमआर) वाले छत्तीसगढ़ का एमएमआर अब घटकर 137 पर पहुँच गया है। प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर का अब तक का यह सबसे न्यूनतम आँकड़ा है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में गर्भवती और शिशुवती महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने हेतु सुपोषण अभियान संचालित किया जा रहा है। मातृत्व स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल और गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को हर तरह का इलाज मुहैया कराने के लिये स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार सुदृढ़ीकरण किया गया है। ज़्यादा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जाँच और निगरानी की जा रही है।
- राज्य में संस्थागत प्रसवों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शासकीय अस्पतालों में सिजेरियन प्रसव की भी सुविधाएँ बढ़ी हैं। समुदाय और मैदानी स्तर पर मितानिनें एवं एएनएम मातृ व शिशु स्वास्थ्य पर लगातार नज़र रख रही हैं। राज्य शासन के इन सब कदमों की वजह से प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

The Vision

नोट :